बृहद्-अनुवाद-चन्द्रिका

[अनुवाद-व्याकरण-निबन्धादिविषय-संवलिता]

चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री

मोतीलाल बनारसीदास

दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता,
बंगलूरू, वाराणसी, पटना

विषय-सूची

भूमिका

विषय	पृष्ठ संख्या
विषय-प्रवेश	
रचना का उद्देश्य	१
स्वर और व्यञ्जन	१
अनुवाद	१
कारक	३
विकारी तथा अविकारी शब्द	६
वाक्य-रचना	६
लिङ्ग और वचन	७
सर्वनाम शब्द	८
तिङन्त पद	९
कृदन्तों का क्रिया के रूप में प्रयोग	११
सन्धि-प्रकरण	
स्वर-सन्धि	१३
दीर्घ-सन्धि	१४
गुणसन्धि	१४
वृद्धिसन्धि	१५
यण् सन्धि	१६
अयादि चतुष्टय	१६
पूर्व रूप	१७
प्रकृतिभाव (प्रगृह्य)	१८
व्यञ्जन-सन्धि	
स्तोः श्चुना श्चुः	१८
ष्टुना ष्टुः	१९
न पदान्ताट्टोरनाम्	१९
तोः पि	१९
झलां जशोऽन्ते	१९
झलां जश् झशि	१९
यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा	१९
तोर्लि	२०
उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य	२०
झरो झरि सवर्णे	२०
झयो होऽन्यतरस्याम्	२०
खरि च	२०
शश्छो टि	२१
मोऽनुस्वारः (आदि)	२१
ङमो ह्रस्वादचि ङमुण् नित्यम्	२२
नश्छव्यप्रशान्	२२
छे च (आदि)	२३
विसर्ग-सन्धि	
पदान्त स् का विसर्ग	२३
विसर्ग का स्	२४
विसर्ग का विसर्ग ही	२४
नमस्पुरसो र्गत्योः	२४
द्विस्त्रिचतुरिति कृतोऽर्थे	२५
विसर्ग का उ	२५
भो भगो अघो अपूर्वस्य योऽशि	२६
रोऽसुपि	२६
रोरि	२६
ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः	२७
'सः' और 'एषः' के विसर्ग का लोप	२७
णत्वविधान	२७
षत्वविधान	२७

विषय — पृष्ठ संख्या

संज्ञा–शब्द
- शब्दोच्चारण (देखिए प्रथम परिशिष्ट पुस्तक के अन्त में) — ३१–८७

विशेषण
- निश्चित संख्यावाचक विशेषण — ८३
- आवृत्ति-वाचक ,, — १०१
- समुदायबोधक ,, — १०२
- विभाग बोधक ,, — १०२
- अनिश्चित संख्या वाचक ,, — १०३
- परिमाण वाचक ,, — १०३
- सर्वनाम ,, — १०४
- गुणवाचक ,, — १०७
- तुलनात्मक ,, — १०६
- अजहल्लिङ्ग ,, — ११२

क्रिया–विशेषण (अव्यय) — ११४
- समुच्चय बोधक अव्यय — ११७
- अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग — ११८

कारक–प्रकरण
- कर्त्ता — १३६
- कर्म — १४६
- करण — १५४
- सम्प्रदान — १५६
- अपादान — १६६
- सम्बन्ध — १७२
- अधिकरण — १७६
- सम्बोधन — १८४

कारक एवं विभक्तियाँ — १८६

समास–प्रकरण
- अव्ययी भाव समास — १६३
- तत्पुरुष समास — १६६

व्यधिकरण तत्पुरुष — १६७
- द्वितीया तत्पुरुष — १६७

विषय — पृष्ठ संख्या

- तृतीया तत्पुरुष — १६८
- चतुर्थी तत्पुरुष — १६६
- पञ्चमी ,, — १६६
- षष्ठी ,, — १६६
- सप्तमी ,, — २००

समानाधिकरण तत्पुरुष — २००

कर्मधारय
- उपमान पूर्वपद कर्मधारय — २०१
- उपमानोत्तरपद ,, — २०१
- विशेषणोभयपद ,, — २०२
- द्विगु — २०२
- नञ् तत्पुरुष — २०३
- प्रादि ,, — २०३
- गति ,, — २०३
- उपपद ,, — २०४
- मध्यमपद लोपी ,, — २०५
- मयूर व्यंसकादि ,, — २०५
- अलुक् तत्पुरुष — २०५

बहुव्रीहि समास — २०५

द्वन्द्व समास — २०६
- इतरेतर द्वन्द्व — २०६
- समाहार द्वन्द्व — २०६
- एक शेष ,, — २११

समासान्त — २१२

क्रिया–प्रकरण
- सकर्मक, अकर्मक, द्विकर्मक — २१६
- १० गण — २१६
- अनिट् और सेट् — २१८
- वर्तमान काल — २१८
- भूतकाल — २२१
- लुङ् लकार — २२३
- लृट् और लुट् — २२३
- लृङ् — २२४

विषय — पृष्ठ संख्या

- लोट् — २२५
- लङ् — २२७

धातुरूपावली
- समस्त लकारों के रूप (देखिए द्वितीय परिशिष्ट–पुस्तक के अन्त में) — २३२–४१३

कृदन्त–प्रकरण
- कृत्य — ४१४
- क्यप् — ४१६
- ण्यत् — ४१७
- कृत् (क्त, क्तवतु) — ४१६
- वर्तमान कालिक कृदन्त — ४२४
- भविष्यत्कालिक कृदन्त — ४२८
- पूर्वकालिक क्रिया (क्त्वा, ल्यप्) — ४२६
- णमुल् — ४३२
- तुमुन् — ४३४
- भावार्थ कृत् (घञ्, अच्, अप् नङ् अङ् कि (इ), क्तिन् क्यप् अ, घ, खल्, युच् — ४३६

कर्तृवाचक कृदन्त
- ण्वुल् और तृच् — ४४१
- ल्यु (अन)–क — ४४१
- अण्–अच् — ४४२
- ट–खश् — ४४३
- खश्–खच् — ४४४
- कञ्—क्विन्—क्विप् — ४४५
- णिनि (इन्) — ४४६
- णिनि–ड — ४४७
- तृन्–तृ–वुञ्–युच् — ४४८
- षाकन् (आक), इष्णुच् — ४४८

विषय — पृष्ठ संख्या

- आलुच्—उ — ४४६
- उणादि—उपच् — ४४६

तद्धित–प्रकरण
- अपत्यार्थक-इञ्-ठक्-यत् — ४५२
- अपत्यार्थक-अण्-एय — ४५३
- रक्तार्थक-अण् — ४५४
- कालार्थक-अण्-अ — ४५४
- मतुप् (मत्) — ४५४
- इनि-ठन्-इतच् — ४५५
- विनि(विन्)-अच्-उरच्-व-श — ४५६

भावार्थ एवं कर्मवाच्य
- त्व-तल् (ता) — ४५६
- इमनिच्-ष्यञ् (य) — ४५७
- अण्-य-यक्-अञ्-अण्-वति-थन् — ४५८
- समूहार्थक अण् — ४५६
- सम्बन्ध एवं विकारार्थक अण्-ठक् — ४५६
- मयट्-अञ् (अ) - अ — ४६०
- हितार्थक छ (ईय्)-यत् — ४६०
- परिमाणार्थक एवं संख्यार्थक वतुप् — ४६०
- परिमाणार्थक एवं संख्यार्थक मात्रच्, अण्-इति — ४६१
- तमप्-तयच्-द्वयस-वतुप् — ४६१

क्रिया-विशेषण तद्धित
- तसिल् (तः), त्रल् — ४६१
- दा-दानीम्-र्हिल्-थाल-अस्ताति — ४६२
- एनप्-धा-कृत्वसुच्-सुच-धा — ४६३

शैषिक—आम्-य-खञ्-त्यक्-ढक् — ४६४

विषय	पृष्ठ संख्या
शैषिक	
घ-यत्-अण्-ट्युट्युल्-त्यप्-छ (ईय्)	४६४
तरप्-कल्प-देश्य-देशीय-ईयस्-इष्ठ	४६५
कन्-च्वि-साति	४६६
अण्-छ (ईय्)-ठक्	४६७
वुञ् (अक)-टक्-यत्	४६८
यत्-ठञ्-ठक्-ण (अ)-अण्	४७०
लिङ्ग-ज्ञान	
पुंल्लिङ्ग	४७२
स्त्रीलिङ्ग	४७३
नपुंसक लिङ्ग	४७४
स्त्री-प्रत्यय प्रकरण	
टाप् (आ)-ङीप् (ई)	४७६
ङीप् (ई)	४७७
लेखोपयोगी चिन्ह	४८०
पत्र-लेखन-प्रणाली	४८२
(क) अनुवादार्थ गद्य-पद्य संग्रह	४८७
वाग्व्यवहार के प्रयोग	४९०
लोकोक्तियाँ	४९८
संस्कृत व्यावहारिक शब्द	
कुछ जातिवाचक शब्द	५०७
सम्बन्ध सूचक शब्द	५०९
शाकादि और मसालों के नाम	५१०
वृक्षों तथा फलों के नाम	५१२
फलों के नाम	५१४
अन्न एवं भोजन सम्बन्धी शब्द	५१५
मिष्ठान्न एवं पानादि पदार्थ	५१७
विद्यालय सम्बन्धी शब्द	५१९

विषय	पृष्ठ संख्या
शरीर सम्बन्धी शब्द	५२०
वस्त्रों के नाम	५२२
पात्रों के नाम	५२१
शृंगारिक वस्तुओं के नाम	५२३
आभूषणों के नाम	५२४
धातु एवं वाद्य सम्बन्धी शब्द	५२५
युद्ध एवं शस्त्रास्त्र सम्बन्धी शब्द	५२६
व्यापार सम्बन्धी शब्द	५२८
ग्राम एवं नगर सम्बन्धी शब्द	५२९
क्रीडा सम्बन्धी शब्द	५३१
पशुओं के नाम	५३३
पक्षियों के नाम	५३३
पशु पक्षियों की बोलियाँ	५३४
कुछ रोगों के नाम	५३५
निम्नस्तर के लोगों के नाम	५३५
अशुद्धि-प्रदर्शन	
कुछ सामान्य अशुद्धियाँ	५३७
संज्ञा एवं सर्वनाम की अशुद्धियाँ	५३९
अजादि सन्धियों की अशुद्धियाँ	५४०
लिङ्ग सम्बन्धी अशुद्धियाँ	५४२
स्त्री प्रत्यय की अशुद्धियाँ	५४४
विभक्तियों की अशुद्धियाँ	५४५
प्रकीर्ण अशुद्धियाँ	५४९
पद तथा वाक्य की अशुद्धियाँ	५५२
(ख) अनुवादार्थ गद्य-पद्य-संग्रह	५५८
नीति सम्बन्धी रोचक श्लोक	५९२

विषय	पृष्ठ संख्या
(ग) आगरा विश्वविद्यालय के एम० ए० के प्रश्न पत्रों में स अनुवादार्थ गद्य-पद्य संग्रह	५६५
वृत्त-परिचय	
ह्रस्व-दीर्घ-मात्रा-गण	५७३
समवृत्त	५७४
८ अक्षरों वाले समवृत्त (अनुष्टुप्)	५७४
११ अक्षरों वाले समवृत्त	
इन्द्रवज्रा	५७५
उपेन्द्रवज्रा	५७५
उपजाति	५७५
१२ अक्षरों वाले समवृत्त	
वंशस्थ	५७५
द्रुतविलम्बित	५७६
भुजङ्गप्रयात	५७६
१३ अक्षरों वाले समवृत्त	
प्रहर्षिणी	५७६
१४ अक्षरों वाले समवृत्त	
वसन्ततिलका	५७७
१५ अक्षरों वाले समवृत्त	
मालिनी	५७७
१७ अक्षरों वाले समवृत्त	
मन्दाक्रान्ता	५७७
शिखरिणी	५७८
हरिणी	५७९
१९ अक्षरों वाले समवृत्त	
शार्दूल विक्रीडित	५७९
२१ अक्षरों वाले समवृत्त	
स्रग्धरा	५८०
अर्ध समवृत्त	
पुष्पिताग्रा	५८०

विषय	पृष्ठ संख्या
विषमवृत्त	
उद्गता	५८१
जाति	५८२
आर्या	५८२
हिन्दी संस्कृत अनुवाद के उदाहरण	५८३
अनुवादार्थ हिन्दी गद्य-संग्रह	५९५
परीक्षा-प्रश्न पत्र	
यू० पी० हाई स्कूल परीक्षा	६०९
बनारस की एडमिशन परीक्षा	५११
प्रथमा (वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय)	६१२
मध्यमा (वाराणसेय सं० वि० वि०)	६१७
पटना की मैट्रिक्यूलेशन परीक्षा	६२०
पंजाब की एण्ट्रेन्स परीक्षा	६२३
पंजाब की प्राज्ञ परीक्षा	६२५
इंटरमीडिएट परीक्षा (यू० पी०)	६३०
बी० ए० (हिन्दू यूनिवर्सिटी बनारस)	६३२
बी० ए० (आगरा यूनीवर्सिटी)	६३७
बी० ए० (देहली यूनीवर्सिटी)	३३९
बी० ए० (पटना यूनीवर्सिटी)	६४१
एम० ए० (बनारस हिन्दू यूनीवर्सिटी)	६४६
एम० ए० (आगरा यूनीवर्सिटी)	६५२

विषय	पृष्ठ संख्या
एम० ए० (देहली यूनीवर्सिटी)	६५६
निबन्धरत्नमाला	
निबन्धः	६६१
१ संस्कृत भाषायाः वैशिष्ट्यं सौष्ठवं च	६६२
२ विद्याधनं सर्वधन-प्रधानम्	६६४
३ वेदनां महत्त्वम्	६६७
४ वेदाङ्गानि तेषामुपयोगिता च	६७०
५ भारतीय संस्कृतेः स्वरूपम्	६७४
६ ईश्वरवादः	६७६
७ धर्मे सर्वं प्रतिष्ठितम्	६७८
८ वर्णाश्रमव्यवस्था	६८२
९ कालिदासभारती–उपमा कालिदासस्य	६८४
१० बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्	६८८
११ कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते	६९२
१२ सर्वे क्षयान्ता निचयाः	६९६
१३ धर्मार्थकाममोक्षाणामारोग्यं मूलमुत्तमम्	६९७
१४ सत्सङ्गतिः कथय किन्न-करोति पुंसाम्	७००
१५ बुद्धिर्यस्य बलं तस्य, दीर्घौ बुद्धिमतो बाहू	७०३
१६ प्रजातन्त्रशासनपद्धतिः	७०५
प्रथम परिशिष्ट	७०७
द्वितीय परिशिष्ट	७०९